चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	02-09-23	04	3-6

खाद्य सुरक्षा किसानों के खेत से होकर निकलती है : काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्केटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा। वह कृषि महाविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के शुभारंभ पर बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डा. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

हकृवि में पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • विज्ञप्ति।

कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना समय की मांग : एसीएस सुधीर राजपाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने इस बार बाजरे की फसल में आई अमेरिकन सूंडी के प्रकोप की चर्चा की। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डा. नरहरि बांगड़ ने उन्होंने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं बढ़ाई गई है। इसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

हिसार की अन्य खबरें पढ़ने के लिए देखें www.jagran.com

उन्होंने कहा कि युवाओं की कृषि क्षेत्र में कम रूचि को देखकर चिंता भी जताई और उन्होंने युवाओं को आइटी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। कुलपति ने बीते दो सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को बधाई भी दी। उन्होंने उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन के लिए रोड मैप तैयार करने का भी आह्वान किया

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक (सांख्यिकी) डा. आरएस सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में बताया।

कार्यशाला में मंच का संचालन डा. सुनील ढांडा ने किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर रबी व खरीफ की सुधार सहित समग्र सिफारिशें नामक पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	02-09-23	03	3-6

खेती की पुरानी पद्धतियों को छोड़कर मार्कीटिंग व एग्री बिजनैस की तरफ ध्यान देना होगा : कुलपति

संगोष्ठी में मौजूद कृषि वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व अधिकारीगण।

हिसार, 1 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज से 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधान संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्कीटिंग और एग्री-बिजनैस के लिए प्रेरित करना होगा।

उन्होंने युवाओं की कृषि क्षेत्र में कम रुचि को देखकर चिंता भी जताई और उन्होंने युवाओं को आई.टी., मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया।

कुलपति ने बीते 2 सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को बधाई भी दी और उन्होंने उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन के लिए रोड मेप तैयार करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कृषि विभाग, हरियाणा और हकृवि को एक ही धुरी के पहिए बताया, जिनका एकमात्र लक्ष्य किसानों के हित में काम करना है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर किसानों को फसलों से संबंधित जानकारी देने के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहा है।

कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना समय की मांग : सुधीर राजपाल

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनैस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने खेतीबाड़ी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आई.टी. व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने इस बार बाजरे की फसल में आई अमेरिकन सूंडी के प्रकोप की चर्चा की।

वैज्ञानिक तरीके से हो खेतीबाड़ी : डा.बांगड़

महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ ने उन्होंने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं बढ़ाई गई है, जिसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग किया जा सकें। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ उठाए।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	02-09-23	02	1-5

आयोजन एचएयू के वैज्ञानिकों व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन करेंगे मंथन

किसानों को मार्केटिंग व एग्री-बिजनेस के लिए करें प्रेरित

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में पुस्तिका का विमोचन करते वीसी प्रो. बीआर कांबोज, एसीएस सुधीर राजपाल, महानिदेशक नर हरि सिंह बांगड़ व अन्य। - स्रोत विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया। उन्होंने कहा कि फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुरानी पद्धतियों को छोडक़र हमें किसानों को मार्केटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं को आईटी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। उन्होंने उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन के लिए रोड मेप तैयार करने का आह्वान किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति सुधीर राजपाल ने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। खेतीबाड़ी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आईटी व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आना होगा। बाजरे की फसल में आई अमेरिकन सुंडी के प्रकोप पर विश्वविद्यालय से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आरएस सोलंकी, डॉ. सुनील ढांडा, अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा मौजूद रहे। रबी व खरीफ की सुधार सहित समग्र सिफारिशें नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	02-09-23	04	2-7

कार्यशाला • दो सालों में फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए वीसी ने एचएयू के वैज्ञानिकों को बधाई दी

युवा किसान आईटी, मोबाइल और ड्रोन जैसी तकनीक अपनाएं

भास्कर न्यूज़ | हिसार

देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधान संरक्षण और फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय हैं। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि कॉलेज के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कही। समारोह में विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि खेती करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्केटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं को आईटी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। कुलपति ने बीते दो सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विवि के वैज्ञानिकों को [illegible]

कृषि व्यवसाय रूप में विकसित करना समय की मांग

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विवि, करनाल सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। उन्होंने खेतीबाड़ी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आइटी व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने की जरूरत है। कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक ने दी जानकारियां : एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक सांख्यिकी डॉ. आरएस सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	02-09-23	06	6-8

खेतों से ही होती देश की खाद्य सुरक्षा : काम्बोज

हिसार 1 सितंबर (हप्र)

हिसार में शुक्रवार को पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। -हप्र

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुरू हुई। इसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधान संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप व अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	01.09.2023	--	--

देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेत से होकर निकलती है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन तक करेंगे मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 1 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्केटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं की कृषि क्षेत्र में कम रुचि को देखकर चिंता भी जताई और उन्होंने युवाओं को आईटी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। कुलपति ने बीते दो सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को बधाई भी दी और उन्होंने उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन के लिए रोड मेप तैयार करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कृषि विभाग, हरियाणा और हकृवि को एक ही धुरी के पहिए बताया, जिनका एकमात्र लक्ष्य किसानों के हित में काम करना है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर किसानों को फसलों से संबंधित जानकारी देने के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहा है।

कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना समय की मांग : एसीएस सुधीर राजपाल

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के पहले दिन अधिकारियों की भारी संख्या में उपस्थिती देखकर बधाई दी। उन्होंने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने खेतीबाड़ी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आइटी व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने इस बार बाजरे की फसल में आई अमेरिकन सूंडी के प्रकोप की चर्चा की और

विश्वविद्यालय से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद किया। महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ ने उन्होंने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा मिट्टी जांच प्रयोगशालाएं बढ़ाई गई है, जिसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ उठाए। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक(सांख्यिकी) डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में बताया। कार्यशाला में मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर रबी व खरीफ की सुधार सहित समग्र सिफारिशें नामक पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.09.2023	--	--

कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

सिरसा, 1 सितम्बर : किसानों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकसित करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्त्व को समझते हुए व स्वयं रुचि के अनुसार कृषि शिक्षा विषय को करियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएं हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कृषि शिक्षा मेला कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय और राष्ट्रीय उन्नतर कृषि शिक्षा परियोजना के द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को करियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अन्न व पशुओं को चारे की उपलब्धता को सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। लेकिन वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याओं के कारण कृषि क्षेत्र में अनेक प्रकार की चुनौतियां बढ़ रही है, जिनके निवारण के लिए नई तकनीक व नवाचार के सहयोग से उन्नत किस्में विकसित करना, बायोफोर्टिफाइड किस्में विकसित करना, कम जल में फसलों की अधिक पैदावार प्राप्त करना, आधुनिक तकनीक द्वारा खाद्य प्रसंस्करण कर अन्न व सब्जियों को खराब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेबर को बचाना जैसे मुख्य मुद्दे शामिल है। कुलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी गिनाई व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हकृवि प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कृषि विषय को अपने करियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया। स्नातकोत्तर शिक्षा के अधिष्ठाता व आईडीपी के प्रभारी डॉ. केडी शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में मिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व फैलोशिप के बारे में जानकारियां दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूपेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमबीर सहित विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।